[Smt. Mira Das]

and exploit the tourism poteniial of India. I am happy that the Government proposes to set up a National Tourism Co-ordination Committee involv-iug the State Governments and representatives from travel, trade and aviation industry. The Government has an ambitious plan of increasing the number of tourists to five million and earn a foreign exchange of Rs. 150 billion.

In this connection I want to draw the attention of the hon. Minister to the availability of a tremendous tourism poteniial in Orissa. The temple—towns of Puri and Bhubaneswar, the wond-* famous Sun Temple in Konark, the golden beach at Puri, the largest lagoon Chilika and the marvellous natural beach at Gopalpur are some of the well known and famous spots of tourist attraction in Orissa. The sculptural grandeur of Konark temple has always attracted both domestic and foreign tourists. Keeping in view the tremendous tourism potential of Orissa, the State Government has proposed to develop the Konark Beach Resort. It is an ambitious project which proposes to set ' luxury hotels, golf course, water sports facilities etc. It is likely to earn a lot of revenue to the State Government of Orissa and will also provide employment to the people of *the* State. I want that this project should not bo stalled in the name of environment.

Madam Vice-Chairman, Orissa is a backward State. It should be the endeavour of the Government to help this State in its economic growth and development. I urge upon the Government to clear all the pending projects, take up construction of the proposed National Highway and expansion of the Bhubaneswar Airport. Thank you.

Need to ban Child Marriage

श्री इकबाल सिंह (पंजाब): मैडम, समय देने के लिये आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं आपके माध्यम से इस विशेष उल्लख के द्वारा सरकार का ध्यान देश में बढ़ रही बाल विवाह जैसी कुप्रथा की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं।

मैडम, आज भी हमारे देश में अनेक जातियों और समुदायों में बाल-विवाह की प्रथा कायम है। देश में राजस्थान, केरल तथा अन्य पिछड़े व आदिवासी इलाकों में इस प्रथा को आसानी से देखा जा सकता है। इन स्थानों में लोग 3-4 वर्ष की आयु में बच्चों का विवाह कर देते हैं और 15-16 वर्ष तक पहुंचते-पहुंचते लड़की को ससुराल भेज देते हैं। कुछ क्षेत्रों तथा गांवों में 12-13 वर्ष की आयु में बाल विवाह कर दिया जाता है।

मैडम, बाल विवाह के संबंध में दिनांक 12-3-94 को इंडियन एक्सप्रेस में एक समाचार प्रकाशित हुआ है जो कि केरल में बाल विवाह की बढ़ती गति से संबंधित है। मैडम, केरल भारत वर्ष का प्रथम प्रदेश है जिसमें कि हंड्रेड परसेंट शिक्षा है और हमें इस बात पर गर्व भी है, लेकिन एजुकेशन प्राप्त करने के बावजूद इस प्रदेश में बाल विवाह की कुप्रथा बड़ी तेजी से बढ़ रही है। मैडम, केरल के मालापुरम जिले के मेंजेरी डिस्ट्रिक्ट हॉस्पीटल तथा कुछ स्कूलों के रिकॉर्ड से इस बात का पता चला है कि यहां पर 60 प्रतिशत से ज्यादा लड़कियों की शादी परिपक्वता आयु प्राप्त करने से पहले ही कर दी जाती है। इस हॉस्पीटल के रिकॉर्ड से यह भी पता चला है कि इनमें से 90 प्रतिशत लड़कियां दो वर्ष में मां बन जाती हैं या 70 लड़कियों की शादी 18 वर्ष की कम आयु में कर दी गई है। मैडम, यही प्रतिशत प्राइवेट हॉस्पीटल का भी है। इस क्षेत्र में लगभग 10 स्कूलों का सर्वे कराया गया है जिससे पता चला कि यहां प्रति वर्ष औसतन 6 लड़कियां 12 वर्ष से 15 वर्ष की बीच की आयु में विवाह बंधन में बांध दी गई। मैडम, यहां मुस्लिम समुदाय की लड़कियों की शादी की आयु ज्यादातर 15 वर्ष रखी गई है। इस तरह इस क्षेत्र में बाल

विवाह में बिल्कुल कमी नहीं हो रही है जबकि बाल विवाह कानून की निगाह में इल्लीगल है । यह कुप्रथा केवल लड़कियों की जिन्दगी नहीं खराब करती बल्कि हमारे परिवार, समाज और राष्ट्र की उन्नति में भी एक बहुत बड़ी बाधा बनती है । इस कुप्रथा को समाप्त करने के लिए सारी की सारी जिम्मेदारी सरकार पर नहीं डाली जा सकती । इसके लिए सामाजिक संगठनों, राजनैतिक दलों, शिक्षकों और साहित्य सभाओं के योगदान की जरूरत है ।

मैडम, मैं सरकार से यही मांग करता हूं कि बाल विवाह संबंधी कुप्रथा को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाए और राज्य सरकारों को इससे संबंधित कानूनों को सख्ती से, ठीक तरह से लागू करने की डायरेक्शन भेजी जाएं ।

श्रीमती उर्मिला चिमन भाई पटेल (गुजरात) : मैडम, मैं इनके साथ जुड़ना चाहती हूं । गुजरात और राजस्थान जैसी कई जगह आज भी हमारे देश में हैं, जहां बाल विवाह जारी है । छोटी उम्र में ही लड़कियों की शादी हो जाती है । हमारे यहां रबारी, धारण जैसी कम्यूनिटी हैं, जिसमें 10–10, 11–11 साल में ऐसी स्थिति बनती है कि उस समय 16 साल की लड़की, 2 साल की लड़की या 6 महीने की लड़की, सबकी शादियां हो जाती हैं । कई हमारे यहां ऐसे रिवाज हैं, जिन्हें बदलने की जरूरत है । चूंकि लड़की की शादी वहां जल्दी कर दी जाती है, इसलिए उनकी पढ़ाई नहीं हो पाती और जो अभ्यास शुरू किया होता है वह बीच में ही छोड़ देना पड़ता है ।...

उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे): उर्मिलाबेन जी, हमारे पास टाइम बहुत कम है । प्लीज ।

श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल: इससे महिला शिक्षा भी पूरी नहीं होती । एक और भी बात है, जो फैमिली प्लानिंग का है, अब जब छोटी उम्र में शादी होती है तो बच्चे भी लड़की की छोटी उम्र में होना शुरू हो जाते हैं और इससे हमारे इस प्रोग्राम को धोखा लगता है । इसलिए इस बात पर सोच विचार कर बाल विवाह के प्रतिबंधात्मक जो कानून हमारे हैं, उनका अमल होना जरूरी है ।

श्री वीरेन्द्र कटारिया (पंजाब) : मैडम, मैं भी अपने को इससे एसोसिएट करता हूं और जो राजस्थान में खासतौर से इस कानून की उल्लंघना हो रही है, उसकी तरफ भी आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं ।

Dowry deaths

श्रीमती चन्द्र कला पाण्डेय (पश्चिमी बंगाल) : माननीय उपाध्यक्ष महोदया, आज संसद में हमने भाषा की वरीयता को लेकर जोरदार चर्चा की । इस दिशा में मैं आपका ध्यान इस तथ्य की ओर दिलाना चाहूंगी, भारत के किसी भी प्रांत के किसी भी भाषा का अखबार उठाकर देख लें, तो आज भी दहेज के कारण मरने वालियों की घटनाएं मिलती हैं ।

माननीय उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से एक-बार फिर बरसों से चली आती घृणित सामाजिक प्रथा दहेज की ओर मंत्री महोदय का ध्यान खींचना चाहूंगी, जिसके कारण भारत की दो और बेटियां बलजीत कौर और वीरवती, 22 और 21 वर्ष की ही उम्र में मौत की शिकार हो गई । माननीया, विवाह हमारी सामाजिक व्यवस्था में दो प्राणियों का शारीरिक ही नहीं, मानसिक सम्मेल का ही पवित्र प्रतीक है । मैं पूछना चाहती हूं, राष्ट्रीय महिला आयोग और दहेज विरोधी कानून के रहते हुए भी ऐसी घटनाओं के मूल में जो अपराधी हैं उन्हें सख्त सजा क्यों नहीं दी जाती ?

एक बार के बजट में गिफ्ट के रूप में एक लाख रुपए की छूट की घोषणा से दहेज की मांग को बढ़ावा मिला है । अमीर की बात तो उपहार में सोने चांदी के हीरे जड़े ताजमहल, जो करोड़ों की कीमत के होते है, सजावट की सामग्री के